



हेवी इलेक्ट्रिकल प्लांट, भोपाल

प्रचार एवं जनसंपर्क विभाग

दिनांक: 16/03/2024

दैनिक प्रेस क्लिप



आज की समाचार कतरनें

S no.	Publication	Subject	Page no.
01	Hitavada	Polavaram Hydroelectric Project related news	02
02	Dainik Jagran	Polavaram Hydroelectric Project related news	03
03	Nav Duniya	Polavaram Hydroelectric Project related news	04
04	Swadesh	Polavaram Hydroelectric Project related news	05
05	Nav Bharat	Polavaram Hydroelectric Project related news	06
06	Noble Express	Polavaram Hydroelectric Project related news	07
07	Dainik Kharkane ka Safar	Polavaram Hydroelectric Project related news	08

Publication Date-	16.03.2024	Hitavada
Page no.-	03	
Journalist-	Bhopal Bureau	

BHEL Bhopal achieves milestone at Polavaram Hydroelectric Project



(Above and below) One quadrant of Stay Ring for the 'Polavaram Hydroelectric Project' on the Godavari River, manufactured by BHEL was flagged off on Friday.



■ Staff Reporter

ON FRIDAY, Bharat Heavy Electricals Limited (BHEL) Bhopal achieved a significant milestone by successfully designing, fabricating, and machining the Stay Ring for the Polavaram Hydroelectric Project. This cylindrical structure, weighing a remarkable 140 metric tons, boasts a diameter of 11.3 meters and stands at a height of 4 meters. Manufactured in four quadrants, the Stay Ring's first quadrant was ceremoniously flagged off on March 15 by S M Ramanathan, Executive Director of BHEL Bhopal. The event saw the presence of Avinash Chandra (GM - WEX, MOD & LGX), V Shrinivas Rao (GM - Hydro), and Alok Sengar (GM - Fabrication).

Upon completion, the Polavaram hydro-electric project is poised to generate a total of 960 MW electricity, facilitated by its twelve Kaplan hydro turbine and hydro-generator sets, each producing 80 MW.

These machinery components, the largest of their kind, are being manufactured by BHEL. Notably, BHEL is playing a pivotal role in supplying a significant portion of the machinery required for the Polavaram hydro-electric project, which is being executed by M/s Megha Engineering and Infrastructure Limited on behalf of M/s Andhra Pradesh Power Generation Corporation Limited. Situated on the Godavari river in the East Godavari district of Andhra Pradesh, the project holds immense promise for meeting the region's energy needs and bolstering its developmental initiatives.

This achievement underscores BHEL's commitment to technological excellence and its vital contribution to India's energy sector.

As the Polavaram Hydroelectric Project progresses, it promises to enhance the nation's power generation capacity and foster sustainable development in the region.

Publication Date-	16.03.2024	Dainik Jagran
Page no.-	04	
Journalist-	Bhopal Bureau	

पोलावरम जलविद्युत परियोजना के लिए भोपाल यूनिट में बना स्टे रिंग का डिजाइन



भेल। बीएचईएल, भोपाल ने पोलावरम जलविद्युत परियोजना के लिए स्टे रिंग का डिजाइन और निर्माण सफलतापूर्वक किया है जिसका वजन 140 मीट्रिक टन, व्यास 11.3 मीटर और ऊंचाई 4 मीटर है। इसका निर्माण चार चरणों में किया गया है। यह परियोजना आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में गोदावरी नदी पर स्थित है। स्टे रिंग के पहले चरण को आज श्री एस एम रामनाथन, कार्यपालक निदेशक, बीएचईएल भोपाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर श्री अविनाश चन्द्रा, महाप्रबंधक (डब्ल्यूईएक्स, एमओडी एवं एलजीएक्स), श्री वी श्रीनिवास राव, महाप्रबंधक (हड्डो) तथा श्री आलोक सेंगर, महाप्रबंधक (फैब्रिकेशन)

उपस्थित थे। पोलावरम परियोजना के लिए सबसे बड़ी मशीनें बीएचईएल द्वारा निर्मित की जा रही हैं। इसके पूरा होने पर पोलावरम जलविद्युत परियोजना अपने बारह कपलान हड्डो टरबाइन और प्रत्येक 80 मेगावाट के हड्डो-जनरेटर सेट की मदद से कुल 960 मेगावाट बिजली का उत्पादन करेगा। बीएचईएल पोलावरम जलविद्युत परियोजना के लिए एक बड़े हिस्से की मशीनरी आपूर्ति कर रहा है जिसे मेसर्स मेधा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा मेसर्स आंध्र प्रदेश पावर जनरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड के लिए स्थापित किया।

Publication Date-	16.03.2024	Nav Duniya
Page no.-	05	
Journalist-	Bhopal Bureau	

भेल ने जलविद्युत परियोजना के लिए डिजाइन की स्टेरिंग

भोपाल (नप्र)। भेल कारखाने में पोलावरम जलविद्युत परियोजना के लिए स्टेरिंग डिजाइन की गई है। इसकी डिजाइन और निर्माण सफलतापूर्वक की गई है। इसका वजन 140 मीट्रिक टन, व्यास 11.3 मीटर और ऊंचाई चार मीटर है। इसका निर्माण चार चरणों में किया गया है। यह परियोजना आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में गोदावरी नदी पर स्थित है। स्टेरिंग के पहले चरण को आज एसएम रामनाथन, कार्यपालक निदेशक, बीएचईएल भोपाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर अविनाश चन्द्रा, महाप्रबंधक डब्ल्यूईएक्स एमओडी एवं एलजीएक्स, वी. श्रीनिवास राव, महाप्रबंधक हाइड्रो व आलोक सेंगर सहित अन्य लोगों ने स्टेरिंग को परियोजना के लिए रवाना किया।



परियोजना के लिए स्टेरिंग डिजाइन करने वाले भेल कारखाने के कर्मचारी।

Publication Date-	16.03.2024	Swadesh
Page no.-	04	
Journalist-	Bhopal Bureau	

पोलावरम जलविद्युत परियोजना में होगा उपयोग

140 मीट्रिक टन वजनी स्टेरिंग का भेल ने किया निर्माण



स्वदेश संवाददाता, भोपाल

बीएचईएल, भोपाल ने पोलावरम जलविद्युत परियोजना के लिए स्टेरिंग का डिजाइन और निर्माण सफलतापूर्वक किया है जिसका वजन 140 मीट्रिक टन, व्यास 11.3 मीटर और ऊंचाई 4 मीटर है। इसका निर्माण चार चरणों में किया गया है। यह परियोजना आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में गोदावरी नदी पर स्थित है। स्टेरिंग के पहले चरण को शुक्रवार को एस एम रामनाथन, कार्यपालक निदेशक, बीएचईएल भोपाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर अविनाश चन्द्रा, महाप्रबंधक (डब्ल्यूईएक्स, एमओडी एवं एलजीएक्स), वी श्रीनिवास राव, महाप्रबंधक (हाइड्रो) तथा आलोक सेंगर, महाप्रबंधक (फैब्रिकेशन) उपस्थित थे। पोलावरम परियोजना के लिए सबसे बड़ी मशीनें बीएचईएल द्वारा निर्मित की जा रही हैं। इसके पूरा होने पर पोलावरम जलविद्युत परियोजना अपने बारह कपलान हाइड्रो टरबाइन और प्रत्येक 80 मेगावाट के हाइड्रो-जनरेटर सेट की मदद से कुल 960 मेगावाट बिजली का उत्पादन करेगा। बीएचईएल पोलावरम जलविद्युत परियोजना के लिए एक बड़े हिस्से की मशीनरी आपूर्ति कर रहा है जिसे मेसर्स मेघा इंजीनियरिंग एंड इंप्रगस्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा मेसर्स आंध्र प्रदेश पावर जनरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड के लिए स्थापित किया।

Publication Date-	16.03.2024	Nav Bharat
Page no.-	02	
Journalist-	Bhopal Bureau	



भेल से 140 टन वजनी स्टेरिंग रवाना

नवभारत प्रतिनिधि
भोपाल, 15, मार्च. भेल भोपाल ने पोलावरम जलविद्युत परियोजना के लिए स्टेरिंग की डिजाइन और निर्माण सफलतापूर्वक किया है, जिसका वजन 140 मीट्रिक टन, व्यास 11.3 मीटर और ऊंचाई 4 मीटर है. इसका निर्माण चार चरणों में किया गया है. यह परियोजना आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में स्थित है.

स्टेरिंग के पहले चरण को आज एसएम रामनाथन, ईडी भेल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. इस अवसर पर महाप्रबंधक गण अविनाश चन्द्रा, वी श्रीनिवास राव और आलोक सेंगर उपस्थित रहे. पोलावरम परियोजना के लिए सबसे बड़ी मशीनें बीएचईएल द्वारा निर्मित की जा रही हैं. इसके पूरा होने पर पोलावरम जल विद्युत परियोजना अपने 12 कपलान हाइड्रो टरबाइन और प्रत्येक 80 मेगावाट के हाइड्रो-जनरेटर सेट की मदद से कुल 960 मेगावाट बिजली का उत्पादन करेगा. भेल भोपाल, पोलावरम जलविद्युत परियोजना के लिए एक बड़े हिस्से की मशीनरी आपूर्ति कर रहा है.

Publication Date-	16.03.2024	Noble Express
Page no.-	02	
Journalist-	Bhopal Bureau	

बीएचईएल भोपाल ने पोलावरम जलविद्युत परियोजना के लिए सफलतापूर्वक किया है स्टे रिंग का डिजाइन और निर्माण

नोबल एक्सप्रेस, भोपाल ।

बीएचईएल, भोपाल ने पोलावरम जलविद्युत परियोजना के लिए स्टे रिंग का डिजाइन और निर्माण सफलतापूर्वक किया है जिसका वजन 140 मेट्रिक टन, व्यास 11.3 मीटर और ऊंचाई 4 मीटर है। इसका निर्माण चार चरणों में किया गया है। यह परियोजना आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में गोदावरी नदी पर स्थित है।

स्टे रिंग के पहले चरण को आज श्री एस एम रामनाथन, कार्यपालक निदेशक, बीएचईएल भोपाल ने हरी झंडी दिखाकर खाना किया। इस अवसर पर श्री अविनाश चन्द्रा, महाप्रबंधक



(डब्ल्यूईएक्स, एमओडी एवं एलजीएक्स), श्री वी श्रीनिवास राव, महाप्रबंधक (हाइड्रो)

तथा श्री आलोक सेंगर, महाप्रबंधक (फैब्रिकेशन) उपस्थित थे। पोलावरम परियोजना के लिए सबसे बड़ी मशीनें बीएचईएल द्वारा निर्मित की जा रही हैं। इसके पूरा होने पर पोलावरम जलविद्युत परियोजना अपने बारह कपलान हाइड्रो टरबाइन और प्रत्येक 80 मेगावाट के हाइड्रो-जनरेटर सेट की मदद से कुल 960 मेगावाट बिजली का उत्पादन करेगा। बीएचईएल पोलावरम जलविद्युत परियोजना के लिए एक बड़े हिस्से की मशीनरी आपूर्ति कर रहा है जिसे मेसर्स मेबा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा मेसर्स आंध्र प्रदेश पावर जनरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड के लिए स्थापित किया

Publication Date-	16.03.2024	Dainik Kharkhane ka Safar
Page no.-	02	
Journalist-	Bhopal Bureau	

पोलावरम जलविद्युत परियोजना के लिए स्टेरिंग का डिजाइन और निर्माण सफलतापूर्वक किया



दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

बीएचईएल, भोपाल ने पोलावरम जलविद्युत परियोजना के लिए स्टेरिंग का डिजाइन और निर्माण सफलतापूर्वक किया है जिसका वजन 140 मीट्रिक टन, व्यास 11.3 मीटर और ऊंचाई 4 मीटर है। इसका निर्माण चार चरणों में किया गया है। यह परियोजना आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में गोदावरी नदी पर स्थित है। स्टेरिंग के पहले चरण को आज एस एम रामन्नाथन, कार्यपालक निदेशक, बीएचईएल भोपाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर अविनाश चन्द्रा, महाप्रबंधक (डब्ल्यूईएक्स, एमओडी एवं एलजीएक्स),

वी श्रीनिवास राव, महाप्रबंधक (हड्डो) तथा आलोक सेंगर, महाप्रबंधक (फैब्रिकेशन) उपस्थित थे।

पोलावरम परियोजना के लिए सबसे बड़ी मशीनें बीएचईएल द्वारा निर्मित की जा रही हैं। इसके पूरा होने पर पोलावरम जलविद्युत परियोजना अपने बारह कप्तान हाइड्रो टरबाइन और प्रत्येक 80 मेगावाट के हाइड्रो-जनरेटर सेट की मदद से कुल 960 मेगावाट बिजली का उत्पादन करेगा। बीएचईएल पोलावरम जलविद्युत परियोजना के लिए एक बड़े हिस्से की मशीनरी आपूर्ति कर रहा है जिसे मेसर्स मेघा इंजीनियरिंग एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा मेसर्स आंध्र प्रदेश पावर जनरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड के लिए स्थापित किया।